

दैनिक

संस्करण: टोक, जयपुर, अलवर एवं कोटा

बढ़ता राजस्थान

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

महाकुंभ-2025

1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

मकर संक्रांति

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



बढ़ता राजस्थान

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर सुबह 4 बजे से पहला स्नान चल रहा है। 44 घंटों पर शाम 6 बजे तक 1 करोड़ 65 लाख श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। भक्तों पर हेलिकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। यह वही संयोग है, जो समुद्र मंथन के दौरान बना था।

देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 3700 लोग अपनी से बिछड़ गए। बाद में खोया-पाया केंद्र से अनाउंसमेंट कर ज्यादातर लोगों को उनके परिवार वालों से मिलवाया गया। हेलिकॉप्टर और NSG कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर नजर रख रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंचे। प्रशासन के मुताबिक, जर्मनी, ब्राजील, रूस समेत 20 देशों से भक्त पहुंचे हैं। सोमवार से ही श्रद्धालु 45 दिन का कल्पवास शुरू करेंगे।

ब्राजील से आए श्रद्धालु फ्रांसिस्को ने कहा-

मैं योग का अभ्यास करता हूँ। मोक्ष की खोज कर रहा हूँ। भारत दुनिया का आध्यात्मिक हृदय है। जय श्रीराम। संगम पर एंटी के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंटी बंद है। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे हैं। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाइवों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे हैं। जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।

अग्नि अखाड़े के शिविर में चल रही संभल गाथा

प्रयागराज में अग्नि अखाड़े के शिविर में संभल गाथा चल रही है। संभल से आए श्रद्धालुओं का गुण गीत और भजन गा रहा है। इस दौरान कुछ साधु नृत्य भी कर रहे हैं।

सीएम योगी ने दिया धन्यवाद

सीएम योगी ने सोमवार शाम एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- मानवता के मंगलपर्व महाकुंभ 2025 में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अचिरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य अर्जित किया। प्रथम स्नान पर्व को सफुल्ल संपन्न कराने में सहभागी महाकुंभ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुंभ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद!



मौसम जयपुर
18.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान

बाजार लेटर बाजार
सेंसेक्स 76,330.01
-1,048.90 (1.36%)
निफ्टी 23,085.95
-345.55 (1.47%)

सर्वाफा सेना/राटी
सोना 80,690 /10g
चांदी 94,500 /Kg



भारत ने बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर को तलब किया
बांग्लादेश ने बॉर्डर पर फेंसिंग को अवैध बताया था, भारतीय हाईकमिश्नर को तलब भी किया



बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के विवाद को लेकर भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नुरुल इस्लाम को तलब किया है। इससे पहले रविवार को बांग्लादेश ने भारतीय हाईकमिश्नर को समन किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाईकमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर बॉर्डर पर बीएसएफ की तरफ से की जा रही फेंसिंग (बाड़) को अवैध कोशिश बताया था। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत बॉर्डर को लेकर द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए बॉर्डर पर पांच स्थानों पर फेंस लगाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी बीसीसी ने बताया कि भारतीय हाई कमिश्नर ने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीमउद्दीन के साथ करीब 45 मिनट इस मुद्दे पर बात की। हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है। भारतीय हाई कमिश्नर ने बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों में सिक्किमिटी के मुद्दे पर बाड़ लगाने की सहमति है। दोनों देशों के सुरक्षा बलों ने इस मुद्दे पर बात भी की है।

रविवार को बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा था कि बांग्लादेश अपनी सीमा पर किसी को कोई जगह नहीं देगा। उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर जीरो लाइन के भीतर 150 गज के भीतर डिफेंस से जुड़े किसी भी तरह के कामकाज की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दिल्ली के बाद बंगाल में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल पुलिस ने उत्तर 24 परगना जिले में दो बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के साथ भारत में अवैध रूप से रहने के बाद गिरफ्तार किया। रुल हक और रफीकुल इस्लाम, जो दोनों बांग्लादेश के निवासी हैं, कई साल पहले उत्तर 24 परगना जिले के दत्तपुकुर पहुंचे थे और कथित तौर पर जाली दस्तावेज जमा करके मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे फर्जी पहचान पत्र प्राप्त किए थे।

मोदी और केजरीवाल एक जैसे, दोनों अडाणी पर एक शब्द नहीं बोलते 150 अरबपति देश को कंट्रोल करते हैं : राहुल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने पहली रैली सोमवार को सीलमपुर विधानसभा इलाके में की। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल एक जैसे हैं। दोनों अडाणी के बारे में एक भी शब्द नहीं बोलते हैं। देश में 150 अरबपति लोग हैं, जो भारत को कंट्रोल करते हैं। देश का पूरा फायदा इन अरबपतियों को मिलता है। अडाणी-अंबानी, मोदी की मार्केटिंग करते हैं। कांग्रेस अरबपतियों का देश

नहीं चाहती है। राहुल ने कहा कि मोदी और अरविंद केजरीवाल ने महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। भारत में गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। जब केजरीवाल आए थे, आपको याद होगा शीला जी की सरकार थी। वो दिल्ली याद है आपको? केजरीवाल आए और उन्होंने प्रचार किया कि दिल्ली को मैं साफ कर दूंगा, भ्रष्टाचार मिटा दूंगा, पेरिस बना दूंगा। अब देखिए हुआ क्या। बाहर चला नहीं जा सकता है, इतना प्रदूषण है। आधे लोग बीमार रहते हैं, कैंसर बढ़ रहा है।



BUY 4 KURTIS @ Rs 2000/-

Celebrate New Year

A Trusted Brand of Years

Rama's

A Brand of M.K.Tailoring House

KURTIES RESORT

- Manufacturer • Wholesaler
- Exporter • Retailer

OUR STORE

+SITAPURA +SARAOGI MANSION +GT CENTRAL

+MANSAROVER +KOTA +NEWAI

For Trade Inquiry Contact : +91 9414265911, 9261263628

- Banquet Hall • Restaurant • Rooms
- Swimming Pool • Marriage Garden

NH-52, Main Tonk Road Highway, Between Gushi-Kothun, Newai, Tonk (Rajasthan)

Email : info@ramasresort.com | www.ramasresort.com

For Booking Call - 8233263628, 9414265911

मकर संक्रान्ति आज

विविध परम्पराओं के साथ
हर्षोल्लास से मनाया जाता है

मकर संक्रान्ति का पर्व

सूर्योपासना का सबसे बड़ा पर्व मकर संक्रान्ति भारत में विविध परम्पराओं के साथ हर्षोल्लास से मनाया जाता है। उत्तर भारत के राज्यों में पवित्र नदियों में स्नान कर तिल, गुड़, खिचड़ी, उड़द, चावल, वख्र दान देने परंपरा है। तमिनाडु में पोंगल, असम में बिहू के रूप में, बिहार में खिचड़ी के रूप में मनाने की परम्पराएँ हैं। इस पर्व पर दान का विशेष महत्व है। नेपाल में भी इस पर्व को बड़े चाव से मनाया जाता है। वहाँ का थारु समुदाय का यह विशेष पर्व है। इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आता है अतः कहीं-कहीं इसे उत्तरायणी भी कहा जाता है। बताया जाता है इस दिन गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चल कर कपिल मुनि के आश्रम में हो कर सागर में उनसे मिली थी एवम् भीष्म पितामह ने अपनी देह त्याग के लिए मकर संक्रान्ति के दिन का चयन किया था। पश्चिमी बंगाल में गंगा सागर स्नान का बड़ा महात्म्य है। परंपरा से प्रतिदिन सूर्य को जल से अर्घ्य देने की प्राचीन परंपरा निरन्तर चली आ रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य देव प्रत्यक्ष रूप से दर्शन देने वाले देवता हैं। वेदों में सूर्य का उल्लेख विश्व की आत्मा और ईश्वर के नेत्र के रूप में किया गया है। सूर्य की पूजा से जीवनशक्ति, मानसिक शांति, ऊर्जा और जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि लोग उगते हुए सूर्य को देखना शुभ मानते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। मान्यता है कि रविवार के दिन सूर्य देव का व्रत रखने से सभी इच्छाएँ पूरी होती हैं। वैदिक काल से ही भारत में सूर्योपासना का प्रचलन रहा है। पहले यह सूर्योपासना मंत्रों से होती थी। भविष्य पुराण में ब्रह्मा विष्णु के मध्य एक संवाद में सूर्य पूजा एवं मन्दिर निर्माण का महत्व समझाया गया है। अनेक पुराणों में यह आख्यान भी मिलता है, कि ऋषि दुर्वासा के शाप से कुष्ठ रोग ग्रस्त श्री कृष्ण पूज सांख्य ने सूर्य की आराधना कर इस भयंकर रोग से मुक्ति पायी थी। रामायण में भी इस बात का जिक्र है कि भगवान राम ने लंका के लिए सेतु निर्माण से पहले सूर्य देव की आराधना की थी। भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र सांब भी सूर्य की उपासना करके ही कुष्ठ रोग से मुक्ति पाई थी। वैदिक साहित्य के साथ-साथ आयुर्वेद, ज्योतिष, हस्तेखा शास्त्रों में सूर्य का महत्व प्रतिपादित किया गया है। आज तो सूर्य बिजली उत्पादन करने के विशाल श्रोत के रूप में देखा जा रहा है। समाज में जब मूर्ति पूजा का प्रचलन हुआ तो सूर्य की मूर्ति के रूप में पूजा प्रचलित हुई। इसी कारण भारत में सूर्य देव के कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर पाये जाते हैं। भारत के सूर्य मन्दिरों में उलार्क सूर्य मंदिर, कोणार्क सूर्य मंदिर, मोढेरा सूर्य मंदिर, कटारमल सूर्य मन्दिर, रणकपुर सूर्य मंदिर, सूर्य पहाड़ मंदिर, सूर्य मंदिर, प्रतापगढ़, दक्षिणांक सूर्य मंदिर, आँगारी सूर्य मंदिर, बेलाकसूर्य मंदिर, सूर्य मंदिर, हंडिया, सूर्य मंदिर, गया, सूर्य मंदिर, महोबा, रहली का सूर्य मंदिर, सूर्य मंदिर, झालरापाटन, सूर्य मंदिर, रांची, सूर्य मंदिर, जम्मू, मार्तंड मंदिर, कश्मीर एवं सूर्य मंदिर, कंदाहा आदि शामिल हैं।

आँगारी सूर्य मंदिर

नालंदा का प्रसिद्ध सूर्य धाम आँगारी और बडगाँव के सूर्य मंदिर देश भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसी मान्यता है कि यहाँ के सूर्य तालाब में स्नान कर मंदिर में पूजा करने से कुष्ठ रोग सहित कई असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। प्रचलित मान्यताओं के कारण यहाँ छठ व्रत त्योहार करने बिहार के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि देश भर के श्रद्धालु यहाँ आते हैं। लोग यहाँ तम्बू लगा कर सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ संपन्न करते हैं। कहते हैं कि भगवान कृष्ण के वंशज सांख्य कुष्ठ रोग से पीड़ित था। इसलिए उसने 12 जगहों पर भव्य सूर्य मन्दिर बनवाए थे और भगवान सूर्य की आराधना की थी। ऐसा कहा जाता है तब सांख्य को कुष्ठ से मुक्ति मिली थी। उन्ही 12 मन्दिरों में आँगारी एक है।

उन्नाव का सूर्य मंदिर

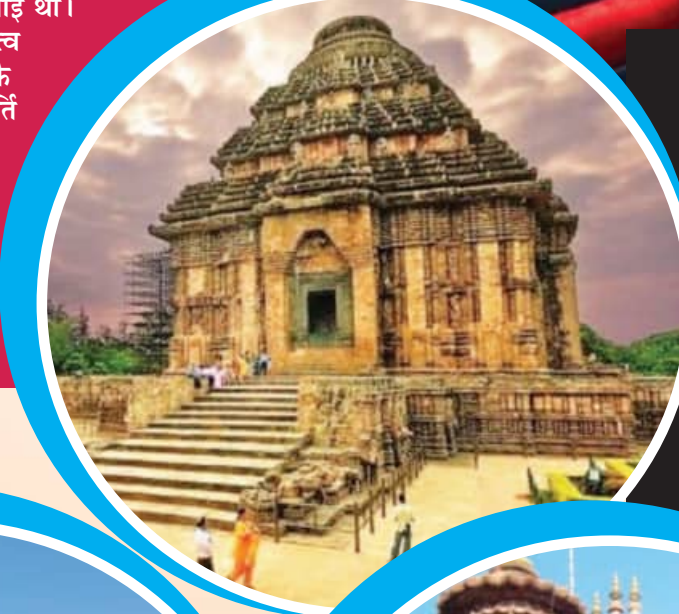
उन्नाव के सूर्य मंदिर का नाम बह्मन्य देव मन्दिर है। यह मध्य प्रदेश के उन्नाव में स्थित है। इस मन्दिर में भगवान सूर्य की पत्थर की मूर्ति है, जो एक ईंट से बने चबूतरे पर स्थित है। जिस पर काले धातु की परत चढ़ी हुई है। साथ ही, साथ 21 कलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सूर्य के 21 त्रिभुजाकार प्रतीक मंदिर पर अवलंबित है।

रणकपुर सूर्य मंदिर

राजस्थान के रणकपुर नामक स्थान में अवस्थित यह सूर्य मंदिर, नागर शैली में सफेद संगमरमर से बना है। भारतीय वास्तुकला का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता यह सूर्य मंदिर जैनियों के द्वारा बनवाया गया था जो उदयपुर से करीब 98 किलोमीटर दूर स्थित है।

मार्तंड सूर्य मंदिर

मार्तंड सूर्य मंदिर जम्मू और कश्मीर राज्य के अनंतनाग नगर में स्थित एक प्रसिद्ध मंदिर है। मार्तंड का यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है। यहाँ पर सूर्य की पहली किरण के साथ ही मंदिर में पूजा अर्चना का दौर शुरू हो जाता है। मंदिर की उत्तरी दिशा में सुन्दर पर्वतमाला है।



कोणार्क का सूर्य मंदिर

ओडिशा में भुवनेश्वर के समीप कोणार्क का मंदिर न केवल अपनी वास्तुकलात्मक भव्यता के लिए बल्कि शिल्पकला की बारीकी के लिए प्रसिद्ध है। यह कालिंग वास्तुकला का उच्चतम बिन्दु है जो भव्यता, उल्लास और जीवन के सभी पक्षों का अनोखा ताल मेल प्रदर्शित करता है। इस मंदिर को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत घोषित किया गया है और इसका निर्माण 1250 ई. में पूर्वी गंगा राजा नरसिंह देव प्रथम के कार्यकाल में किया गया था। इसमें कोणार्क सूर्य मंदिर के दोनों ओर 12 पहियों की दो कतारें हैं। इनके बारे में कुछ लोगों का मत है कि 24 पहिए एक दिन में 24 घण्टों का प्रतीक है, जबकि कुछ का कहना है कि ये 12 माह का प्रतीक हैं। यहाँ स्थित सात अश्व सप्ताह के सात दिन दर्शाते हैं। समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय इसे ब्लैक पगोडा कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह जहाजों को किनारे की ओर आकर्षित करता था और उनका नाश कर देता था।

झालरापाटन का सूर्य मंदिर

राजस्थान में झालरापाटन का सूर्य मंदिर यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य वैभव के कारण कोणार्क के सूर्य मंदिर और ग्वालियर के शिवस्वामि मंदिर का स्मरण कराता है। शिल्प सौन्दर्य की दृष्टि से मंदिर की बाहरी व भीतरी मूर्तियाँ वास्तुकला देखते ही बनती हैं। मंदिर का ऊर्ध्वमुखी कलात्मक अष्टदल कमल अत्यन्त सुन्दर जीवंत और आकर्षक है। शिखरों के कलश और गुम्बज अत्यन्त मनमोहक हैं। मंदिर का निर्माण नवीं सदी में हुआ था। यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य वैभव के कारण प्रसिद्ध है। कर्नल जेम्स टॉड ने इस मंदिर को चार भूजा (चतुर्भुज) मंदिर माना है। वर्तमान में मंदिर के गर्भगृह में चतुर्भुज नारायण की मूर्ति प्रतिष्ठित है।

सूर्य मंदिर, मोढेरा

यह मंदिर अहमदाबाद से लगभग 102 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसे भारत के तीन प्रसिद्ध प्राचीनतम सूर्य मंदिरों में से एक माना गया है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पूरे मंदिर के निर्माण में जुड़ाई के लिए कहीं भी चूने का उपयोग नहीं किया गया है। ईरानी शैली में निर्मित इस मंदिर को भीमदेव ने तीन हिस्सों में बनवाया था। पहला हिस्सा गर्भगृह, दूसरा सभामंडप और तीसरा सूर्य कुण्ड है। ये मंदिर गुजरात के मोढेरा में स्थित है। मोढेरा महसलाना से 25 किमी. की दूरी पर है।

लोहार्गल सूर्य मंदिर

यह मंदिर राजस्थान के झुंझनू जिले में स्थित है। यहाँ मंदिर के सामने एक प्राचीनतम पवित्र सूर्य कुण्ड बना हुआ है जो मान्यता है की यहाँ स्नान के बाद ही पांडवों को ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति मिली थी।

मार्तंड मंदिर प्रतिरूप

दक्षिण कश्मीर के मार्तंड के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर के प्रतिरूप का सूर्य मंदिर जम्मू में भी बनाया गया है। मंदिर मुख्यतः तीन हिस्सों में बना है। पहले हिस्से में भगवान सूर्य रथ पर सवार हैं जिसे सात घोड़े खींच रहे हैं। दूसरे हिस्से में भगवान शिव का परिवार दुर्गा गणेश कार्तिकेय पार्वती और शिव की प्रतिमा है और तीसरे हिस्से में यज्ञशाला है।

सूर्य मंदिर रांची

रांची से 39 किलोमीटर की दूरी पर रांची टाटा रोड पर स्थित यह सूर्य मंदिर बुंदू के समीप है 7 संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का निर्माण 18 पहियों और 7 घोड़ों के रथ पर विद्यमान भगवान सूर्य के रूप में किया गया है। 25 जनवरी को हर साल यहाँ विशेष मेले का आयोजन होता है।

